वर्ष 1 - अंक 37
शुक्रवार 3 जनवरी 2025- कुल पृष्ठ - 4
RNI - NO. MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

भोपाल गैस त्रासदी का

जहरीला कचरा

40 साल बाद पीथमपुर में निपटान की शुरुआत

रणजीत टाइम्स

गैस त्रासदी के 40 साल बाद, त्रासदी के दौरान यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में बचे 337 मीट्रिक टन जहरीले कचरे के निपटान की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

भोपाल। यह कचरा अब इंदौर के पास पीथमपुर में स्थित रामकी कंपनी के इंसीनरेटर में जलाया जाएगा। यह निर्णय मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश के बाद लिया गया, जिसमें चार सप्ताह के भीतर कचरे के निपटान की प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया गया। प्रशासन ने कचरे को भोपाल से पीथमपुर तक ले जाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर तैयार किया है।

प्रक्रिया और तैयारी

1. सुरक्षित परिवहनः

कचरे को भोपाल से पीथमपुर तक लगभग 250 किलोमीटर की दूरी पर विशेष ट्रकों में लाया जाएगा। इन ट्रकों में कचरे को लीक-प्रूफ कंटेनरों में रखा गया है।

2. जलाने की प्रक्रियाः

कचरे को अत्यधिक तापमान पर जलाया जाएगा। धुएं और अवशेषों को चार स्तरीय फिल्टर प्रणाली से गुजरने दिया जाएगा, ताकि पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। वैज्ञानिक जांच की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि कचरा पूरी तरह से नष्ट हो गया है।

3. समय सीमाः

निपटान की प्रक्रिया तीन महीने में पूरी करने की योजना है। यदि प्रक्रिया के दौरान कोई पर्यावरणीय समस्या पाई जाती है, तो समय सीमा बढ़ाई जा सकती है।

स्थानीय विरोध और चिंता

पीथमपुर और आसपास के निवासियों ने इस फैसले पर कड़ा विरोध जताया है। उनका कहना है कि पहले भी कचरे के जलने से वायु और जल प्रदूषण हुआ है कचरे के निपटान से निकलने वाले विषैले धुएं के कारण स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ने की आशंका है।

सरकारी आश्वासन

राज्य के गैस राहत विभाग ने कहा है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह से वैज्ञानिक और पर्यावरण के अनुकूल होगी। विशेषज्ञों की टीम पूरी प्रक्रिया पर निगरानी रखेगी। स्थानीय निवासियों की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय किए गए हैं।

विशेषज्ञों की राय

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्रिया एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसे पारदर्शिता और सावधानी के साथ पूरा करना होगा। वैकल्पिक तकनीकों जैसे बायो-रेमेडिएशन पर भी विचार किया जा सकता है। स्थानीय समुदाय को प्रक्रिया में शामिल करना जरूरी है।

निष्कर्ष

भोपाल गैस त्रासदी का यह जहरीला कचरा आज भी हमारे पर्यावरणीय प्रबंधन की परीक्षा है। इसे सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करना एक चुनौती है। सरकार और संबंधित एजेंसियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस प्रक्रिया से पर्यावरण और स्थानीय निवासियों पर कोई नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

रणजीत टाइम्सः आपकी सुरक्षा, हमारी जिम्मेदारी।

इधर... मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा-

'कचरा जलाने से पर्यावरण पर नहीं पड़ेगा कोई दुष्प्रभाव...'

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यूनियन कार्बाइड कचरा निष्पादन को लेकर आज मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार ने संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया है। भोपाल से 358 टन कचरा को हटाया गया। 40 साल से उस कचरे के साथ भोपाल में रहते आए थे। कोई आशंका नहीं होनी चाहिए। कचरे का गहन परीक्षण किया गया है। घटना को 40 साल हो चुके और कचरे को लेकर कई तरह की आशंका थी। भारत सरकार की कई संस्थाओं के द्वारा कचरे का परीक्षण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चालीस साल से यह कचरा यह जमा था। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देश पर यह कचरा हटाया गया है। उन्होंने कहा वैज्ञानिकों के अनुसार इस तरह के रासायनिक का प्रभाव 25 साल में खत्म हो जाता है। इसको तो चालीस साल हो गए है इसीलिए किसी को डरने की जरूरत नहीं है, क्योंकि जब इस कचरे के निस्तारीकरण का निर्णय लिया है

तत्कालीन सरकार ने गैस पीड़ितों के साथ किया निष्ठुर व्यवहार

तो कई एजेंसियों के सर्वे के बाद लिए गया है। इस कचरे को हम पीथमपुर में जलाने जा रहे है। उसका पहले भी ट्राई रन कर चुके है, जिसकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा की थी उसी रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने इस कचरे को नष्ट करने के निर्देश दिए थे जिसमें यह साफ कर दिया था इस कचरे के जलने से पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस दौरान सीएम ने कांग्रेस पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कारण भोपाल गैस कांड हुआ था। पीथमपुर में विरोध करती है कांग्रेस, भोपाल आकर कुछ नहीं बोलते कांग्रेस के नेता। ज्ञात हो कि 23 दिसंबर 1984 की रात को यूनियन कार्बाइड से जहरीली गैस का रिसाव हुआ था, जिसमें हजारों लोगों की मौत हुई थी और उसके बाद लाखों लोग इसका दुष्प्रभाव झेल रहे हैं. इतना ही नहीं यह रासायनिक कचरा 40 सालों से संयंत्र में दफन था जिसे पीथमपुर में जलाया जाने वाला है।

डॉ. मोहन यादव ने बताया कि 2-3 दिसंबर 1984 की दरम्यानी रात मैं भोपाल ही था। उन्होंने कहा कि वे विद्यार्थी परिषद की बैठक में शामिल होने आए थे। उन्होंने बताया कि भोपाल का वो दृश्य दर्दनाक था। लेकिन उसके बाद तत्कालीन सरकार ने गैस पीड़ितों के साथ निष्ठुर व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद कांग्रेस की 20 साल तक सरकार रही लेकिन उन्होंने इस समस्या को लेकर कुछ नहीं किया। कांग्रेस केवल दो मुही राजनीती कर रही है, इन्हें भोपाल वासियों की चिंता नहीं है।

बांग्लादेश

वरिष्ठ वकील मो. ताजुल इस्लाम ने किया ऐलान

इसी साल में होगा गुनाहों का हिसाब शेख हसीना की होगी वतन वापसी!

रणजीत टाइम्स

बांग्लादेश में राजनीतिक घटनाक्रम तेजी से बदल रहा है। देश के मुख्य अभियोजक मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने यह दावा किया है कि वर्ष 2025 मानवाधिकार हनन और अन्य अपराधों के मामलों में न्याय का साल होगा। उनके इस बयान का सीधे-सीधे इशारा बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की तरफ था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके नेतृत्व वाली अवामी लीग के खिलाफ दर्ज मामलों की सुनवाई जल्द ही शुरू होगी।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अभियोजक ने घोषणा की कि न्याय प्रक्रिया मुख्य भवन में प्रधान न्यायाधीश की सहमति के बाद आरंभ होगी। उन्होंने कहा, "अवामी लीग सरकार द्वारा किए गए सभी अपराधों की जांच और सुनवाई तेजी से आगे बढ़ाई जा रही है। खासकर जुलाई-अगस्त में हुए मानवाधिकार

हसीना के खिलाफ केस

ढाका के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल ने मानवाधिकार उल्लंघन के कई धाराओं में शेख हसीना के खिलाफ केस दर्ज किया है। उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट भी जारी हो चुका है। यूनुस सरकार ने उनकी वतन वापसी के लिए भारत से सहयोग मांगा है। हालांकि, साउथ ब्लॉक की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

उल्लंघन के मामलों की जांच जारी है।

विपक्ष की मांग - छात्रदल और यूनुस सरकार ने अवामी लीग और शेख हसीना को लेकर तीखी मांगें रखी हैं। उनका कहना है कि मानवाधिकार उल्लंघन के आरोपों में पहले हसीना का न्यायिक प्रक्रिया से सामना हो, अवामी लीग पर प्रतिबंध लगे और उसके बाद ही देश में चुनाव संभव होगा। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अवामी लीग के खिलाफ मामलों की प्रक्रिया जारी रखने के लिए शेख हसीना को देश वापस लाने की कोशिशें तेज हो रही हैं। इस बीच, सियासी पंडितों का मानना है कि सरकार इस मामले में गुप्त रणनीति अपना सकती है। बांग्लादेश में बढ़ती राजनीतिक अस्थिरता के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि शेख हसीना की वतन वापसी और उनके खिलाफ मुकदमे की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ती है। क्या 2025 वास्तव में बांग्लादेश की राजनीति में न्याय का साल बन पाएगा? यह सवाल समय के साथ स्पष्ट होगा।

निशाने पर सूने घर : सोने-चांदी के जेवर, नकदी, कीमती सामान समेट ले गए

एक ही रात चोरी की चार वारदात परिवार लौटा तो साफ मिला घर

रणजीत टाइम्स

सोमनाथ से लौटे तो बिखरा हुआ मिला सारा सामान

शहर में बुधवार रात चार सूने घरों को चोरों ने निशाना बनाया और सोने-चांदी के जेवर, हजारों की नकदी, कीमती सामान आदि समेट ले गए। तिलक नगर में अनाज व्यापारी के सूने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर वारदात की गई। जानकारी के अनुसार व्यापारी का परिवार पांच दिनों से बाहर था। पुलिस ने इस मामले में केस उस समय दर्ज किया, जब परिवार लौटकर आया।

पुलिस ने बताया कि आदिश पुत्र जीवनलाल जैन, जो उदय नगर निवासी और पेशे से अनाज व्यापारी हैं, 28 दिसंबर को अपने घर पर ताला लगाकर उदयपुर न्यू ईयर की पार्टी के लिए गए थे। जब वे घर वापस लौटे तो उन्हें ताला टूटा हुआ मिला। घर के अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त-व्यस्त था। बदमाशों ने घर से लेडीज डायमंड रिंग, एक गोल्ड रिंग, चार कान की बालियां, एक सोने की चेन, दो डायमंड के सोने के पैडल, सोने की ध्वज, चांदी के सिक्के, सोने के पालिश किए हुए जेवर और करीब 35 हजार रुपए चोरी कर लिए थे। आदिश ने बुधवार थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अब मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश में जुटी है।

निजी कंपनी कर्मचारी के घर चोरी

इसी तरह कनाड़िया क्षेत्र में निजी कंपनी के कर्मचारी प्रकाश हलधर के यहां में चोरी हो गई। प्रकाश, जो भादवा माता मंदिर के पास मानवता नगर में रहते हैं, ने बताया कि उनकी पत्नी मायके गई हुई थीं। 31 दिसंबर को वह घर पर ताला लगाकर सुबह अपनी जॉब पर गए थे। शाम को करीब 7 बजे उनकी साली नुपुर ने फोन कर बताया कि घर का ताला टूटा हुआ है। जब प्रकाश मौके पर पहुंचे, तो देखा कि घर में घुसकर चोरों ने अलमारी से सोने-चांदी के आभूषण, एटीएम कार्ड और अन्य कीमती सामान चुरा लिया था। प्रकाश ने अपनी पत्नी से बात की, जिन्होंने कहा कि वह घर लौटकर ही यह बताएंगी कि और क्या सामान गायब है।

भोजनालय संचालक को बनाया निशाना : अन्नपूर्णा क्षेत्र में प्रिंकाको कॉलोनी निवासी पवन के घर चोरी हो गई। वे भोलाराम उस्ताद मार्ग पर भोजनालय चलाते हैं। पुलिस को उन्होंने बताया कि वह 31 दिसंबर को सुबह अपने भोजनालय पर चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी बबीता मार्केट गई हुई थीं। जब पवन दोपहर में घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि घर का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर उन्होंने पाया कि अलमारी से सोने के आभूषण, भगवान की मूर्तियां, चांदी की माला और अन्य कीमती सामान गायब थे। पवन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और थाने जाकर मामले की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस अब इस चोरी की घटना की जांच कर रही है और चोरों की तलाश कर रही है।

उधर राजेन्द्र नगर में एक और चोरी की वारदात हो गई। सुशील शर्मा, जो ईशकुंज कॉलोनी, निहालपुर मुण्डी रोड के निवासी हैं, ने अज्ञात चोरों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सुशील ने बताया कि वह परिवार के साथ 25 दिसंबर को सोमनाथ, गुजरात दर्शन के लिए गए थे। 29 दिसंबर को उनका एचडीएफसी बैंक का कार्ड पुराने पते पर आया। जब ताऊ ने घर जाकर कार्ड लिया, तो उसने ताला टूटा हुआ पाया और अंदर किसी को नहीं देखा। इस पर उसने सुशील से फोन पर संपर्क किया और गुजरात में होने की जानकारी दी। जब सुशील परिवार के साथ इंदौर लौटे, तो घर की जांच करने पर पाया कि चोरों ने घर से दो सोने के मंगलसूत्र, दो जोड़ी सोने की कान की बालियां, दो सोने की अंगूठियां, बाइक की चाबी, कुछ चांदी के आभूषण और करीब 40 हजार रुपए नकद चोरी कर लिए थे। पुलिस अब मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, ताकि चोरों की पहचान की जा सके।

पीड़िता ने दर्ज करवाया रेप का केस

दोस्त ने पांच साल तक लिव-इन में रखा, बाद में शादी से किया इंकार

रणजीत टाइम्स

भंवरकुआं इलाके में एक युवती ने अपने दोस्त के खिलाफ रेप का मामला दर्ज कराया है। युवती का कहना है कि आरोपी, श्याम अहिरवार, ने उसे पांच साल तक लिवइन रिलेशनशिप में रखा, लेकिन अब शादी से इनकार कर रहा है। युवती का आरोप है कि श्याम ने शादी के कई वादे किए थे, लेकिन शादी को लेकर हमेशा टालमटोल करता रहा।

पीड़िता ने बताया कि करीब छह साल पहले श्याम से उसकी मुलाकात हुई थी, और श्याम ने उसे लिवइन में रहने के लिए कहा, जिस पर वह राजी हो गई। दोनों ने एक फ्लैट किराए पर लिया और साथ रहने लगे। इस बीच, श्याम ने शादी के वादे किए और कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए, लेकिन शादी के लिए कभी गंभीर नहीं हुआ। नए साल की पार्टी के बाद 1 जनवरी को जब युवती ने शादी की बात की, तो श्याम ने मना कर दिया और कहा कि वह शादी नहीं कर सकता, लेकिन अगर लिवइन में रह सकती है तो ठीक है। इस पर युवती ने श्याम को धमकाने का आरोप भी लगाया और पुलिस थाने में जाकर उसके खिलाफ केस दर्ज कराया। पुलिस ने आरोपी श्याम को हिरासत में ले लिया है और मामले की जांच कर रही है।

दो दोस्तों पर केस

भंवरकुआं पुलिस ने 12वीं की छात्रा के खिलाफ छेड़छाड़ और वीडियो एडिट कर उसकी सहेली को भेजने के मामले में दो दोस्तों के खिलाफ केस दर्ज किया है। छात्रा ने अपनी शिकायत में बताया कि रात के डेढ़ बजे उसकी सहेली ने कॉल कर बताया कि जगदीश शर्मा ने एक वीडियो भेजा है, जो अन टाइम व्यू था। वीडियो में फोटो को एडिट कर लड़की और लड़के को किस करते हुए दिखाया गया था। छात्रा ने मामले की जानकारी अपने भाई को दी और फिर जगदीश से कॉल पर पूछताछ की, तो उसने बताया कि यह फोटो पक्ष भंडारी ने भेजा था। छात्रा ने बताया कि वह दोनों लड़के कुछ दिन पहले एक पार्टी में मिले थे। पुलिस अब इस मामले में जांच कर रही है।

लव जिहाद की शंका : सिरपुर तालाब के पास की घटना

युवक-युवती कर रहे थे अश्लील हरकतें विहिप-बजरंगी ने धरदबोचा, ले गए थाने

रणजीत टाइम्स

हिन्दू संगठनों ने एकांत में बैठे युवक युवतियों को पकड़ा। शहर में बायपास, तालाबों के पास और सुनसान जगहों पर कई बार युवक-युवतियों को अश्लील हरकतें हुए पकड़ा जा चुका है। गुरुवार को विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल को सूचना मिली थी कि सिरपुर तालाब के पास युवक-युवती बैठकर अश्लील हरकतें कर रहे हैं। विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी तन्नु शर्मा खुद मौके पर पहुंचे और दोनों को पकड़ा।

तन्नू शर्मा ने बताया कि हमने जो मामला पकड़ा है वह लव जिहाद का है। हमने दोनों को चंदन नगर पुलिस को सौंप दिया है। तालाब के सुनसान इलाके में एक 17 साल का नाबिलग 16 साल की नाबालिग लड़की के साथ अश्लील हरकत कर रहा था। हमने मौके पर दोनों को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया।

झूठ बोलकर आई थी लड़की

युवक ने बताया कि वह सहयोग नगर में रहता है और मूल रूप से कन्नौद का रहने वाला है। लड़की से उसकी दोस्ती उसकी चचेरी बहन ने कराई थी। हिन्दू संगठनों ने बताया कि लड़की घर से झूठ बोलकर आई थी। लड़की के घर पर भी इस मामले की सूचना दे दी है।

जिला अध्यक्षों को लेकर फिर हुआ मंथन, वन-टू-वन की चर्चा

बड़े नेताओं के चलते नहीं बन पा रही सहमति

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव के चलते जिला अध्यक्षों को लेकर एक बार फिर मंथन शुरू हुआ है। राज्य के बड़े शहरों के अलावा कुछ अन्य जिलों में सहमति ना बनने के चलते जिला अध्यक्ष का चयन भाजपा के लिए संकट खड़ा कर रहा है। बड़े नेताओं और मंत्री, विधायकों, सांसदों की पसंद के व्यक्ति के चलते मामला अटका है। माना जा रहा है कि अब पांच जनवरी के बाद ही जिलों के अध्यक्षों के नाम तय हो सकेंगे।

भाजपा के संगठनात्मक चुनाव के चलते जिला अध्यक्षों का चयन भाजपा के लिए परेशानी बना हुआ है। जिलों में रायशुमारी के बाद आए नामों को लेकर बड़े नेताओं में तालमेल नहीं बैठ रहा है। अपने समर्थक को जिला अध्यक्ष बनवाने के लिए नेताओं में जब समन्वय नहीं बना तो दिल्ली से प्रदेश प्रभारी डा महेन्द्र सिंह को भोपाल आना पड़ा। आज डा सिंह की उपस्थिति में आज फिर प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक बार फिर मंथन तेज हुआ। प्रदेश प्रभारी के साथ भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल और प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा जिला निर्वाचन अधिकारियों से पैनल पर चर्चा की गई। वहीं जिलों से आए नेताओं से भी वन-टू-वन चर्चा की। इसके अलावा जिलों से आए नेताओं ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीडी शर्मा से भी मुलाकात कर अपनी बात रखी है। बताया जा रहा है कि भोपाल, इंदौर सहित बड़े शहरों के अलावा कई और जिलों में मंत्रियों, विधायकों, सांसदों और पार्टी नेताओं के बीच समन्वय ना बनने के कारण यह मामला उलझा है। इसके चलते अब प्रदेश के सभी साठ संगठनात्मक जिलों में एक साथ जिला अध्यक्षों की नियुक्ति होना टल सकता है। माना जा रहा है कि संगठन पहले करीब चालीस जिलों के अध्यक्षों के सूची जा कर सकता है। यह सूची पांच जनवरी के बाद ही जारी होने की संभावना है। बाकि के जिलां में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक टल सकती है।

फर्जी सूची वायरल, भाजपा ने किया खंडन

जिला अध्यक्षों को लेकर एक फर्जी सूची भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इस सूची के वायरल होने के बाद भाजपा ने इसका खंडन किया है। इसे लेकर भाजपा के चुनाव सह प्रभारी रजनीश अग्रवाल ने एक पत्र जारी कर कहा है कि भाजपा के संगठनात्मक चुनाव की प्रक्रिया जारी है। जिला अध्यक्षों के गठन की प्रक्रिया भी जारी है। मीडिया या सोशल मीडिया पर इस संबंध में संचारित सूचना भ्रामक है। पार्टी जिला अध्यक्षों की अब तक कोई घोषणा नहीं की गई है।

इन जिलों में नियुक्ति को लेकर मचा घमासान

नए जिलाध्यक्ष को लेकर सागर, सतना, रीवा, पन्ना, भिंड, मुरैना, बालाघाट, छिंदवाड़ा, श्योपुर, शिवपुरी, दतिया, नरसिंहपुर, गुना, भोपाल, इंदौर, इंदौर ग्रामीण और जबलपुर में सियासी घमासान मचा है। इन जिलों के स्थानिय जनप्रतिनिधि और बड़े नेताओं के बीच अध्यक्ष की कुर्सी को लेकर बवाल मचा हुआ है। इन जिलों में नेताओं के दबाव और अपने चहेतों को जिलाध्यक्ष की कुर्सी दिलाने के चलते संगठन में सहमति नहीं बन पा रही है।

देश के सबसे साफ शहर इंदौर मेयर भार्गव ने जन्मदिन पर दिया संदेश

शहर की सुंदरता को बचाया, सेवा कार्यों के साथ मनाया जन्मदिन

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

देश के सबसे स्वच्छ शहर की सुंदरता को बनाए रखना का बिड़ा उठाया है मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने। इसीलिए ये पूरी शिद्दत से शहर को खूबसूरत बनाने में जुटे है। यहीं कारण है कि मेयर भार्गव ने अपने जन्मदिन पर किसी भी तरह के होर्डिंग बैनर पोस्टर लगाकर शहर को बदरंग न करने की अपील की। क्योंकि हमारा शहर स्वच्छता में नंबर वन है। ऐसे में शहर में मेयर भार्गव के जन्मदिन पर होर्डिंग बैनर पोस्टर न लगाकर एक शहरहित में बड़ा संदेश दिया गया है। साथ ही उन सभी को नेताओं को भी संदेश मिल गया कि वो शहर की भलाई चाहते है तो इसे होर्डिंग-बैनर लगाकर गंदा न करें।

कमाल की बात है कि जब किसी जनप्रतिनिधि के जन्मदिन पर शहर के सभी प्रमुख मार्ग और चौराहे बड़े-बड़े होर्डिंग बोर्ड बैनर से पाट दिए जाते हैं उस समय पर मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने न केवल पूरे शहर के समक्ष बल्कि पूरे प्रदेश में एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने जन्मदिन पर एक तरफ जहां अपने समर्थकों का एक भी बोर्ड नहीं लगने दिया तो वही जन्मदिन को अत्यंत सादगी के साथ सेवा कार्यों के माध्यम से मना लिया। महापौर की यह पहल पूरे प्रदेश के नेताओं के लिए अनुकरणीय है।

समर्थकों को कह दिया था कि कोई भी एक भी होर्डिंग नहीं लगाएगा

जन सेवा के क्षेत्र में नवाचार और लीक से हटकर काम करने के लिए पहचाने जाने वाले मेयर पुष्यमित्र भार्गव के द्वारा अपने जन्मदिन पर भी एक अलग संदेश देने का काम किया गया है। इस समय किसी भी नेता के जन्मदिन पर पूरे शहर में बड़े-बड़े हार्डिंग लग जाते हैं उस समय पर मेयर भार्गव ने अपने जन्मदिन के पहले ही अपने समर्थकों को कह दिया था कि कोई भी एक भी होर्डिंग नहीं लगाएगा। इसके साथ ही नगर निगम की रिमूवल गैंग को आदेश दे दिया था कि यदि कोई मेरे फोटो के होर्डिंग लगाए तो आप उसे तत्काल हटा दीजिए। ऐसी आदर्श पहल करने के साथ मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने आज गुरुवार को अपना जन्मदिन अत्यंत सादगी के साथ सेवा कार्यों में रत होकर मनाया।

2500 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण

मेयर के जन्मदिवस के अवसर पर वार्ड क्रमांक 15 नया बसेरा गांधीनगर, नगर निगम मुख्यालय, फूटी कोठी चौराहा पर संत सेवालाल ब्रिज के नीचे, टावर चौराहा पर श्री प्रीतम दास सभागृह, स्कीम नंबर 114 में उत्सव होटल, सिरपुर में संजीवनी क्लिनिक तथा आदर्श इंदिरा नगर में कम्युनिटी हॉल में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया गया। इस शिविर में 2500 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इन लोगों में से जिन्हें भी स्वास्थ्यगत समस्याएं थी उनके समस्या के समाधान की दिशा में काम शुरू हो गया।

1600 बच्चे पहुंचे चिड़ियाघर

मेयर भार्गव द्वारा अपने जन्म दिवस का अवसर पर प्राणी संग्रहालय में 11 वर्ष की उम्र तक के बच्चों का प्रवेश निशुल्क किया गया था। इस सुविधा का लाभ 1600 बच्चों के द्वारा उठाया गया। यह बच्चे आज उत्साह के साथ चिड़ियाघर में पहुंचे और उन्होंने पूरे परिसर का भ्रमण किया। चिड़ियाघर में मौजूद गाइड के द्वारा बच्चों को वहां पर उपयोगी जानकारी दी गई।

गरीबों को मिले कंबल तो बच्चों को कापी किताब

मेयर द्वारा राउ विधानसभा क्षेत्र में आर्थिक रूप से कमजोर स्थिति वाले नागरिकों के निवास क्षेत्र में कंबल वितरण का कार्य किया गया। इसके साथ ही इस क्षेत्र में बच्चों को निशुल्क किताब और कॉपी का वितरण भी किया गया। इन बच्चों को अच्छा पढ़ने - लिखने और अपने भविष्य को बेहतर बनाने की सीख दी गई।

15 हजार लोगों ने किया भोजन

मेयर पुष्यमित्र भार्गव के जन्मदिवस के अवसर पर खजराना गणेश मंदिर और रणजीत हनुमान मंदिर के अन्न क्षेत्र में निशुल्क भोजन की व्यवस्था की गई। इसके अलावा शहर के वृद्ध आश्रम में भी भोजन की व्यवस्था रखी गई। मूसाखेड़ी चौराहा, इंडस्ट्रियल एरिया, मरी माता चौराहा, एम वाय अस्पताल, टीबी अस्पताल और फूटी कोठी चौराहा पर निशुल्क चलित भोजनालय के माध्यम से भोजन का वितरण किया गया। इसके साथ ही शाम के समय पर प्रेस काम्प्लेक्स के सामने भोजन का वितरण किया गया। इन सभी स्थानों पर कुल मिलाकर 15000 से ज्यादा नागरिकों के द्वारा भोजन कर भार्गव को अपना आशीर्वाद दिया गया।

संभागीय स्काउट एवं गाइड रैली के कार्यक्रम में इंदौर पुलिस की टीम ने सामाजिक जागरूकता पाठशाला लगाकर, किया सभी को बालक/बालिकाओं के लिए चलाए जा रहे सृजन कार्यक्रम से रूबरू

रणजीत टाइम्स-दीपक वाडेकर

स्काउट व गाइड को डीसीपी क्राइम व टीम ने, सृजन कार्यक्रम के उद्देश्य व रूपरेखा से अवगत करवाते हुए, विभिन्न साइबर फ्रॉड के साथ नशे से होने वाले दुष्परिणामों के प्रति भी किया जागरूक।

इंदौर पुलिस द्वारा महिला अपराधों व उनकी सुरक्षा, साइबर अपराधों एवं नशे के दुष्परिणामों के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से, लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम किया जा रहा हैं। साथ ही पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार बालिकाओं एवं महिलाओं को सशक्त एवं स्वावलंबी बनाने तथा उनकी सुरक्षा और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाने के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा-निर्देशन में, इन्दौर पुलिस कमिश्नरेट द्वारा ''सृजन-नई दिशा नया गगन'' कार्यक्रम का क्रियान्वयन भी किया जा रहा है।

इसी अनुक्रम में आज दिनांक 02 जनवरी 2025 को महर्षि विद्या मंदिर स्कूल राऊ इंदौर में आयोजित संभागीय स्काउट एवं गाइड रैली शिविर के डायमंड जुबली कार्यक्रम में इन्दौर पुलिस की टीम ने सामाजिक जनजागरूकता की पाठशाला लगाई।

इस दौरान डीसीपी क्राइम इंदौर श्री राजेश कुमार त्रिपाठी, एसीपी (महिला सुरक्षा/अजाक) सुश्री सोनू डाबर व टीम करीब 900 स्काउट व गाइड से रूबरू हुए।

डीसीपी श्री राजेश कुमार त्रिपाठी द्वारा सभी को वर्तमान समय के साइबर अपराधों से परिचय करवाते हुए, विभिन्न प्रकार के फाइनेंशियल फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, जैसे विभिन्न फ्रॉड और सोशल मीडिया का दुरुपयोग करके अपराधी किस प्रकार हमें फंसाते हैं यह जानकारी देते हुए, इनसे बचने के लिए सावधानीपूर्वक इनका इस्तेमाल करने, ऑनलाइन पढ़ाई के दौरान भी विषेष सतर्कता बरतने और अपनी निजी जानकारी किसी भी अनजान से शेयर न करने के बारे में समझाईश दी।

एसीपी सुश्री सोनू डाबर व उनि शिवम ठक्कर ने सभी को पुलिस के सृजन कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत करवाते हुए, बालक/बालिकाओं के विभिन्न अधिकारों, प्रावधानों एवं बाल/महिला अपराध के बारे में संक्षेप में बताया। साथ ही किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उसे छिपाने के बजाय, तुरंत अपने माता-पिता से, या अपने शिक्षकों से, अपने करीबी से या पुलिस से अपनी बात को साझा करने के बारे में समझाईश देते हुए, उन्हें पुलिस के विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी। टीम द्वारा सभी को नशे के दुष्परिणामों आदि के संबंध में जानकारी से अवगत कराया और सभी को हमेशा नशे से दूर रहने की समझाईश दी गई तथा इन सामाजिक बुराई को मिटाने के लिए जनजागृति लाने में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

भविष्य में यशवंत सागर का पानी से नकारात्मक असर हो सकता है

रणजीत टाइम्स (संवाददाता)

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता जीतू पटवारी ने यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे को जलाने के मामले में स्पष्टता की कमी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा राजनीति का नहीं, बल्कि शहर और जनता के हित से जुड़ा है। सरकार को विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाते हुए इस मामले के संभावित नुकसान और अन्य पहलुओं पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करनी चाहिए।

पटवारी ने चेतावनी दी कि पूर्व के अनुभवों के अनुसार, जहरीला कचरा जलाने के परिणाम सकारात्मक नहीं रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई कि अगर इसे जलाने की प्रक्रिया में जल्दबाजी की गई, तो इसका निकट भविष्य में यशवंत सागर पर नकारात्मक असर हो सकता है। यशवंत सागर का पानी इंदौरवासियों की जरूरतें पूरी करता है, इसलिए इस मुद्दे पर अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है।

..ताकि जनता और पर्यावरण पर इसके नकारात्मक प्रभाव न पड़ें : जीतू पटवारी ने कहा कि उनकी सुमित्रा महाजन से भी इसी विषय पर चर्चा हुई है। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह इस मामले में रिव्यू याचिका दायर करे और कोई भी निर्णय लेने से पहले इसके दूरगामी प्रभावों का गहराई से मूल्यांकन करे। उनका मानना है कि यह निर्णय जल्दबाजी में नहीं लिया जाना चाहिए, ताकि जनता और पर्यावरण पर इसके नकारात्मक प्रभाव न पड़ें।

इंदौर जिले को बनाया जायेगा टीबी मुक्त जिला

मोतियाबिंद पीड़ितों के निःशुल्क ऑपरेशन के लिये चलेगा अभियान

आत्मज्ञान रूपी मकरंद का पान करना सिखाता है सहजयोग

प्राचीन काल मे जितने भी संत, ऋषिमुनी हुए, उन्होंने खुद को प्राप्त स्वरूप-साक्षात्कार का वर्णन अपने कविताओं व दोहों में किया है। स्वरूपसाक्षात्कार प्राप्त होना यह बहुत आनंदमी मयी घटना है और वो जब किसीको प्राप्त होता है तब साधक वह स्वरूपानुभूति छुपाकर नहीं रख सकता। उस स्वरूप साक्षात्कार की सुगंध अपने-आप चारों ओर फैल जाती है। परंतु उस स्वरूप साक्षात्कार के प्रति अपनी शुद्ध इच्छा होना, अपनी जिज्ञासा बनी रहना यह बड़ी बात है। सोई अच्छर सोई भले, सोई जन जीवंत। अकिलमन्द कोई कोई मिले, महारस अमि पीवंत। उपरोक्त वर्णित दोहे में संत कबीर कहते हैं वही अक्षरों (विद्याओं) का ज्ञाता, प्रवक्ता जीवित तथा बुद्धिमान है, जो स्वरूपज्ञानरूपी महान रस को पीता है। परन्तु ऐसे पुरुष कम मिलते हैं।

प.पूज्य श्रीमाताजी श्री निर्मला देवी कहती हैं कि आज बसंत का समय है, और इस बहार के समय में आप अगर इस आत्मज्ञान के बारे में विचार करेंगे, चितंन करेंगे अथवा इसकी ओर अपनी जिज्ञासा जागृत करेंगे तो आप तक इसे पहुंचाने का काम परमात्मा निश्चित ही करेंगे। वे आपके हृदय में स्थित आत्माराम को जगा देंगे। श्रीमाताजी कहते हैं, सहजयोग पूरी दुनिया के भलाई के लिये है। इस विश्व को बचाने की हमारी जिम्मेदारी है परमात्मा द्वारा दिया हुआ यह जीवन इस तरह- से विकसित होना चाहिए जिससे आपकी आत्मा का यह प्रकाश फैले और इस पूरे विश्व को आलोकित करे। उन सभी समस्याओं बीमारियों, मानसिक रोगों व अन्य सभी समस्याओं को जो इस कलियुग की सामूहिक समस्याएं है, इन्हें समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ये सभी समस्यायें परम शक्ति द्वारा नहीं बनाई गई है। स्वयं मनुष्य इनका रचियता है, लेकिन परमात्मा की शक्ति इन समस्याओं को समाप्त करना चाहती है। अगर इस जगत में बहुत सारे लोगों को ये आत्मसाक्षात्कार मिलता है, तथा वे स्वरूपज्ञानरूपी इस मकरंदरस का प्राशन कर सहजयोग में स्थित होते हैं गहरे उतरते हैं, तो मानवता की भलाई के लिये बहुत कुछ किया जा सकता है। और आज के बसंत के समय में इसे पाना बिल्कुल आसान है। आप अगर ये लेख पढ़ रहे हैं तो लेख में उपस्थित श्रीमाताजी से हृदय से प्रार्थना करें मां मुझे इस ध्यान, इस ज्ञान से अवगत करा दीजिए और तस्वीर की ओर दो मिनट ध्यान से देखिए और तैयार हो जाइए अपने जीवन में आने वाले सुखद व आनंदमय परिवर्तन के लिए। सहजयोग अनुभूति का योग है। इस अनुभूति को विश्व में लाखों साधकों ने पाया है। तथा सहजयोग की गहनता को पाने के पश्चात इसके माध्यम से अनेक असाध्य रोगों को भी ठीक किया जा सका है और यह कोई चमत्कार नहीं है वरन श्री माताजी के चैतन्य द्वारा सूक्ष्म शरीर व कुंडलिनी शक्ति के जागरण द्वारा संचालित होता है। सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं - 1800 2700 800 बेवसाइट- sahajayoga.org.in यूट्यूब चैनल झ्र लर्निंग सहजयोगा प्रति शनिवार शाम 06:30 बजे।

पुलिस से न्याय कैसे सुनिश्चित करें: नागरिकों के अधिकार और जिम्मेदारियां

आदित्य शर्मा, 8224951278
सहसंपादक रणजीत टाइम्स

मध्य प्रदेश में पुलिस प्रशासन की प्रक्रिया और आम जनता के अनुभवों में अक्सर बड़ा अंतर देखा जाता है। कई बार लोग पुलिस के पास अपनी शिकायत लेकर जाते हैं, लेकिन उन्हें सही मार्गदर्शन नहीं मिलता। इस लेख में, हम नागरिकों के अधिकार, पुलिस की जवाबदेही और न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा करेंगे।

पुलिस में शिकायत करते समय नागरिकों के अधिकार

1. एफआईआर दर्ज करने का अधिकार: भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 154 के तहत, हर नागरिक को किसी संज्ञेय अपराध की सूचना देने का अधिकार है। थानेदार एफआईआर दर्ज करने से इनकार नहीं कर सकता।

2. फ्री कानूनी सहायता का अधिकार: आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

3. महिलाओं और बच्चों के विशेष अधिकार:

महिलाएं रात 6 बजे से सुबह 6 बजे तक एफआईआर दर्ज कराने के लिए पुलिस थाने नहीं जा सकतीं। इसके लिए उन्हें विशेष महिला पुलिस अधिकारी से संपर्क करना चाहिए। बच्चों से संबंधित मामलों में जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड की मदद ली जा सकती है।

4. एफआईआर की कॉपी मुफ्त प्राप्त करें: एफआईआर दर्ज करने के बाद, नागरिक को उसकी एक प्रमाणित कॉपी मुफ्त में मिलनी चाहिए।

5. जांच में निष्पक्षता का अधिकार: नागरिक को यह अधिकार है कि उनकी शिकायत पर निष्पक्ष और पारदर्शी जांच हो।

पुलिस की जवाबदेही और नागरिकों की जिम्मेदारी

1. पुलिस को जिम्मेदार कैसे बनाएं: नियमित रूप से जांच की स्थिति के बारे में जानकारी लें। जांच अधिकारी से संपर्क बनाए रखें। यदि जांच में देरी हो रही है, तो इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को दें।

2. अपनी जिम्मेदारी निभाएं: सटीक और सत्य जानकारी पुलिस को प्रदान करें। जांच प्रक्रिया में सहयोग करें। झूठे आरोप लगाने से बचें, क्योंकि यह कानूनी अपराध है।

यदि पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो क्या करें?

1. एसपी या उच्च अधिकारियों से संपर्क करें: शिकायत की कॉपी एसपी कार्यालय में जमा करें और कार्रवाई की मांग करें।

2. न्यायालय की मदद लें: मजिस्ट्रेट के पास धारा 156(3) के तहत आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराने का आदेश प्राप्त करें।

3. मुख्यमंत्री हेल्पलाइन: 181 पर कॉल करके शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

4. मानवाधिकार आयोग: पुलिस द्वारा मानवाधिकार उल्लंघन की स्थिति में राज्य या राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संपर्क करें। सुधार की दिशा में सुझाव

1. पुलिस स्टाफ की ट्रेनिंग: जनता के साथ व्यवहार और कानून की समझ बढ़ाने के लिए नियमित प्रशिक्षण की जरूरत है।

2. डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग: शिकायतें दर्ज कराने और उनकी प्रगति को ट्रैक करने के लिए ऑनलाइन पोर्टल का अधिक उपयोग किया जाना चाहिए।

3. पब्लिक अवेयरनेस: नागरिकों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

पुलिस प्रशासन और नागरिकों के बीच बेहतर संवाद और विश्वास का निर्माण न्याय प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। जनता को अपने अधिकारों के लिए जागरूक और सक्रिय रहना होगा, और पुलिस को अपनी जिम्मेदारियों को ईमानदारी और पारदर्शिता से निभाना होगा